Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 1

– Save This Page as a PDF–

यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी

लूका १: ५-२५

खोदन : जकर्याह और इलीशिबा के बारे में आप की क्या राय है? बांझपन को परमेश्वर की ओर से अपमान के संकेत के रूप में और तलाक को एक वैध कारण के रूप में देखा गया थाl आपको क्या सोचते हैं कि इलीशिबा ने खुद के बारे में महसूस किया होगा? आपको कैसा लगता है कि जकर्याह ने उसके बारे में क्या महसूस किया होगा? क्यों? पवित्र स्थान में स्वर्ण वेदी पर धूप चढ़ाने के लिए जकर्याह को कौन सी बाधाओं का सामना करना पड़ा होगा? कैसे, तब, क्या ऐसा हुआ था? इस बेटे के जन्म ने ज़कारिया और इलीशिबा को कैसे प्रभावित किया होगा? आप उसके मिशन का अपने शब्दों में कैसे वर्णन करेंगे? जकर्याह क्यों संदेह कर सकता था?

चिंतन : एदोनाय ने आपकी शपथ या वादा कैसे किया है? क्या आप किसी भी तरह से आध्यात्मिक रूप से बाँझ/बंजर/व्यर्थ महसूस करते हैं? इलीशिबा और जकर्याह का यह विवरण कैसे बांझपन की भावनाओं को प्रभावित कर सकता है? इस लेख के प्रमुख पात्रों में से – यूहन्ना, इलीशिबा और जकर्याह — आप सबसे ज्यादा किसकी पहचान करते हैं? क्यों? आप किसके साथ कम से कम पहचान करते हैं? क्यों? यूहन्ना का मिशन आज आपके मिशन के लिए एक आदर्श कैसे है? आप “प्रभु के लिए लोगों को कैसे तैयार कर सकते हैं?” पिछली बार आपने कब परमेश्वर पर संदेह किया था? आपके संदेह का क्या कारण था? आप उस पर कैसे विजयी हुए?

लेवियों की सेवा, जो इस्राइल के प्रतिनिधियों के रूप में कार्य कर रहे थे, वे अपने कर्तव्य को शीग्रता से निभा रहे थे। सुबह के पहले पहयह सुबह बलिदान का समय था। चूंकि विशाल मंदिर के द्वार धीरे-धीरे अपने कंगन पर चल रहे
थे, पुजारियों की चांदी की तुरही से की गई तीन विस्फोट ध्वनियाँ शहर
को जागने लगती थीं, जैसे कि परमेश्वर की आवाज, दूसरे दिन के जीवन के लिए होती थी।र के लिए पहले से ही, जिसके लिए मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर पुजारी ने सुबह के बलिदान को शुरू करने के संकेत के रूप में देखा था, तब देखा जा सकता था। नीचे के आंगनों में सभी व्यस्त थे। हर दिन कार्य पर लगभग पचास पुजारी होते थे। सबसे पहले उन्होंने दो पक्षों में विभाजित किया ताकि सुबह से पहले मशाल की रोशनी के द्वारा मंदिर का निरीक्षण किया जा सके। तब वे सभी प्रसिद्ध चमकते हुए पत्थरों के सभामण्डप में आते थे जहां जहां महासभा के लिए मिलते थे (देखें Lg – द ग्रेट

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 2

सैनहेड्रिन), और वहां वे उस दिन के लिए अपने पवित्र कर्तव्यों के लिए सब कुछ सुनिश्चित करते थे।



१ इतिहास २४ में, राजा दाऊद ने लेवी के वंश को
चौबीस भागों में बांट दिया। प्रत्येक भाग साल में दो बार मंदिर अनुष्ठानों के दैनिक कार्यों की देखभाल करने के लिए दो सप्ताह की अवधि के बाद बदल जाएगा। पेसाच के प्रमुख तीर्थ के त्यौहारों के दौरान, पेंतिकोस्त, और सुकोट, पर सभी विभाग सेवा करते थेl एक महायाजक होता था, उसके नीचे बीस मुख्य पुजारी थे और उनके अधीन चौबीस पाठ्यक्रम के सदस्य होते थे, जो आम पुजारी होते थे। जकर्याह एक आम पुजारी था जो अबीहा के पुजारी पाठ्यक्रम से संबंधित था। आम पुजारियों के कर्तव्यों को बहुमत से चुना गया था। वहां बहुत सारे लेवी थे, हालांकि, वे आमतौर पर सेवा के लिए अपने पूरे जीवनकाल में केवल एक मौका मिलता था। फिर भी, जकर्याह मंदिर में हर साल पांच बार सेवा के पवित्र कार्यों में भाग लेने के लिए अपने घर से निकल आया था।

उस दिन चार बार लाटरी निकाली गई थी, महान मंदिर द्वार खोले जाने से पहले दो बार और डॉ बार बाद मेंl यह व्यवस्था आवश्यक उत्साह के कारण जरूरी हो गई थी कि कुछ पुजारियों ने जो दर्शन पाया था उसे अपनी सेवा से साबित कर सकें। इस तरह बहुत सारे चुने गए थे : आम पुजारी महायाजक के चारों ओर एक घेरा बनाकर खड़े थे, जिसने एक पल के लिए अपनी संख्या में से एक के टोपी को हटा दिया, यह दिखाने के लिए कि वह वहां से गिनती शुरू कर देगा। तब सब एक आयोजन किया, दो या दो से अधिक उंगलियां — मौखिक कानून के बाद से (Ei – मौखिक कानून देखें) ने कहा कि यह व्यक्तियों की गिनती के लिए गैरकानूनी था — और महायाजक ने एक अनियमित संख्या बुलायी, साठ कहो, और जब तक वह उस नंबर तक नहीं पहुंच जाता तब तक उंगलियों की गिनती शुरू रहती, जिसका मतलब था कि उस विशेष पुजारी की लाटरी कुछ गिर गई थी।

पहला हिस्सा आंगन में कांस्य वेदी की सफाई और तैयारी के लिए चुना गया था (निर्गमन Fa मेरी टिप्पणी देखें – तम्बू में कांस्य की वेदी : आने वाली अच्छी चीजों का एक छाया)। यह सुबह से पहले किया गया था क्योंकि पुजारियों ने वेदी पर कोयलों को सुलगाया और नई लकड़ी को उस पर रखा ताकि लौ बाहर नहीं जा सके (लेव्यव्य्वस्था ६: १२-१३)।

जब सुबह को पुजारी चमकते हुए पत्थरों के सभामण्डप में मिले के दूसरी लाटरी

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 3

निकाली जाय तो यह मुश्किल काम था। चुने गए लोगों में से कुछ कांस्य की वेदी पर होमबलि के बलिदान में हिस्सा लेंगे (निर्गमन पर मेरी टिप्पणी देखें Fe – अग्नि की आहुति), जबकि दूसरों ने सुनहरे दीपक को और पवित्र स्थान में धूप की सुनहरी वेदी को तैयार किया (निर्गमन पर मेरी टिप्पणी देखें Fn – पवित्र स्थान में दीपक : मसीह, जगत की ज्योति)। एक बार कांस्य की वेदी और धूप की वेदी तैयार हो गई, सुबह हो चुकी और मंदिर के द्वार खोले जाने से पहले और कुछ भी बाकी काम नहीं रहा और पूजा करने वालों ने मंदिर के आंगनों में प्रवेश किया।

एक बार बलिदान करने के बाद, सभी दिन की सेवा के सबसे गंभीर हिस्से पवित्र स्थान के भीतर सुनहरी वेदी पर धूप की भेंट चढाने के लिए तैयार थेl पुजारी तीसरी लाटरी के लिए फिर से मिलते हैं। यह दिन की सबसे महत्वपूर्ण लाटरी थी, क्योंकि यह निर्धारित करती थी कि सुनहरी वेदी पर धूप कौन चढ़ाएगा (निर्गमन पर मेरी टिप्पणी देखें Fp – पवित्र स्थान में धुप की वेदी: मसीह, पिता के साथ हमारा वकील)। जीवन भर में केवल एक बार कोई भी उस विशेषाधिकार का आनंद ले सकता था।

एक बार धूप जला दिया जाने के बाद, पुजारी चमकते हुए पत्थरों के सभामण्डप में एक बार मिलते थे। चौथी लाटरी में उन लोगों को तय किया जाता था जो वेदी पर ज़िबाह हुए भेड़ के टुकड़ों को जलाते थे, और सेवा के भागों का समापन करते थे। धूप जलाने के अलावा, लाटरी में निकले हुए लोग संध्याकाल के कार्यों को भी पूरा करते थेl

जकर्याह के लिए परमेश्वर की घोषणा हेरोदेस महान
यहूदिय के रजा के समय हुई थी, जिसकी मृत्यु ४ ईसा पूर्व में हो गई थी। इस्राएल के लोगों की राजनीतिक स्थिति अपमानजनक थी और उनकी आध्यात्मिक स्थिति में भी कमी आई थी। अपराध के राक्षस हेरोदेस ने उनका दमन किया, और पाखंडी यहूदी धर्म के तहत उनका विश्वास समारोहों और अनुष्ठानों की एक खाली प्रणाली बन गया था। परन्तु उस

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 4

आध्यात्मिक सूखे के बीच में लेवी के गोत्र में से एक जकर्याह नाम का एक पुजारी था, और उसकी पत्नी इलीशिबा जो हारून के वंश की थी (लूका १: ५)। पुजारी के लिए पत्नियों के चयन में बड़ी देखभाल की गई थी, ताकि पारिवारिक रेखा को हर सम्मान में निर्दोष रखा जा सके। तो जकर्याह को दोगुना आशीर्वाद दिया गया क्योंकि रब्बियों (धार्मिक अगुवों) ने सिखाया कि पुजारी बनना एक सम्मान था, लेकिन एक पुजारी की बेटी से शादी करने के लिए एक डबल सम्मान था। इसलिए, योहन, वंशावली द्वारा एक पुजारी था। जकर्याह का अर्थ है कि परमेश्वर याद करते हैं, और इलीशिबा का अर्थ परमेश्वर की शपथ है। तो उन दोनों के नामों को साथ मिलाकर अर्थ है परमेश्वर को अपनी शपथ याद है।

वे दोनों उस दिन के यहूदी अवशेष के विश्वास करने वाले सदस्य थे; और इसलिए, परमेश्वर की दृष्टि में धर्मी थे। उनके धार्मिक सबूतों के रूप में उन्होंने एदोनाय ने सभी आदेशों को देखा और निर्दोष तरीके से आदेश दिया (लूका १: ६)। वे प्रभु से प्यार करते थे, उनके साथी आदमी, और उन्होंने उसके वचन पर भरोसा किया। लेकिन उनके कोई बच्चा नहीं था क्योंकि इलीशिबा बाँझ थी। बांझपन को हाशेम के नापसंद के संकेत के रूप में देखा गया था और इलीशिबा को लगातार शर्मिंदगी हो रही थी जैसा कि उसके बयान से स्पष्ट है कि जब उसने आखिरकार यूहन्ना (लूका १:२५) को जन्म दिया तो यहोवा ने उसके अपमान को दूर कर दिया था। यहूदी संस्कृति में पत्नी को हमेशा बांझपन के लिए दोषी ठहराया जाता था क्योंकि उस समय वे समझ नहीं पाए थे कि पुरुष और स्त्री दोनों ही बांझपन वाले हो सकते हैं। क्योंकि बांझपन तलाक के लिए एक वैध कारण था, हम केवल यह अनुमान लगा सकते हैं कि जकर्याह उससे बहुत प्यार करता था। सबसे अधिक संभावना है कि वह उसके के लिए और अधिक खेद महसूस करता होगा कि उसने उसके लिए जो किया था कि वह उस से अपमानित थी। और वे दोनों बहुत बूढ़े थे, जिसका मतलब था कि वे शायद साठ वर्ष से अधिक बूढ़े थे (लूका १: ७), और उन्होंने कई वर्षों तक एक बच्चे के लिए प्रार्थना की होगी। इस प्रकार, इस मंच को महत्वपूर्ण पुरुषों के चमत्कारी जन्मों की एक और श्रृंखला के लिए सेट किया गया था, जो इसहाक के साथ १०० वर्षीय अब्राहम और ९० वर्षीय सारा (उत्पत्ति १८: १-५, २१: १-७) से शुरू हुआ था, शिमशोन को तिम्ना और उसकी पत्नी (न्यायियों १३) और शमूएल से एल्काना और हन्ना (१ शमूएल १:१ से २:१०)। योहनन के इलीशिबा के जन्म के बाद, श्रृंखला यूसुआ के मसीह मरियम के लिए मसीहा के जन्म के साथ समाप्त होती है। लेकिन मंदिर में उस उज्ज्वल शरद ऋतु की सुबह, जकर्याह के बारे में सोचने के लिए कुछ और दबाव पड़ा।

जकर्याह का विभाग कार्य पर था और वह परमेश्वर के सामने पुजारी के रूप में सेवा कर रहा था। अपने जीवन में पहली और आखिरी बार के लिए वह लाटरी के द्वारा चुना गया था, ताकि वह पुजारी के रीति-रिवाज के अनुसार, यहोवा के मंदिर में जाकर उसके सामने धूप जलाएं (लूका १:८-९)। क्या विचित्र था कि उसे चुना जाएगा? हाशेम की संप्रभुता इस घटना के नियंत्रण में स्पष्ट रूप से थी। उनको दिए गए कार्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उनको पूर्ण रूप से ध्यान देने की जरूरत थी।

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 5

दो हफ्तों के लिए, जकर्याह का कार्य आंगन में कांस्य वेदी से जलते हुए कोयले को मंदिर के भीतर पवित्र स्थान में ले जाना था, और उसे पर्दे के सामने रखी धूप की वेदी पर रखना था (देखें Lw – यीशु की मृत्यु के साथ संकेत) जो पवित्र स्थान को सबसे पवित्र स्थान से अलग करता है। धूप की सुनहरी वेदी पर कोयले को स्थापित करने के बाद, वह उस धूप में से कुछ को छोड़ देगा जिससे धूप का सुगंधित धुआं सरे स्थान में फैल जाएगा और सबसे पवित्र स्थान में मोटे पर्दे के माध्यम से एक मीठी सुगंध, एदोनाय के लिए एक बलिदान के रूप में प्रवेश करें।

लैव्यव्यवस्था १० में हुई एक घटना के कारण जब हारून के दो पुत्रों ने अनुचित तरीके से धूप को जला दिया और मौके पर ही दोनों मर गए, रब्बियों ने सिखाया कि अगर पुजारी धूप को अनुचित तरीके से जलाएगा, तो उसे भी मौके पर मर जाना चाहिए। लेकिन मृत्यु से पहले, एक दूत, मृत्यु का दूत, धूप की वेदी के दाहिने तरफ खड़े दिखाई देगा। जकर्याह को अपने बलिदान के लिए अजीब आग का उपयोग नहीं करना था अन्यथा वह तुरंत मारा जाता। इसके फलस्वरूप, अगर परमेश्वर ने भेंट को स्वीकार कर लिया, तो जकर्याह जीवित पवित्र स्थान से बाहर आ जाएगा, अगर नहीं, वह ठीक उसी जगह मर जाएगा जहां वह खड़ा था।

और जब धूप जलने का समय आता था, तब सभी उपासक बाहर इकट्ठे
होकर प्रार्थना कर ते थे (लूका १:१०)। उस समय जकर्याह पूरे यहूदी राष्ट्र का केंद्रबिंदु था। तभी, बस अपने पुजारी जीवन के चरम पर, जैसे ही धूप का बादल उठना शुरू हुआ, एदोनाय के एक दूत ने उसे दर्शन दिया, वह वेदी के दाहिने तरफ खड़ा था। जब जकर्याह ने उसे देखा, तो वह चौंक गया और डर ने उसे जकड़ लिया, सचमुच उसके ऊपर बहुत भय छागया। लेकिन दूत का संदेश न्याय और मृत्यु में से कोई नहीं था, लेकिन आशीर्वाद और एक नया जीवन के आने के लिए था। दूत ने उससे कहा, ” जकर्याह, डर मत; आपकी प्रार्थना सुनी गई है। आपकी पत्नी इलीशिबा आपको एक बेटा देगी, और आप उसे योहनन नाम देंगे “(लूका १:११-१३)। यूहन्ना के लिए हिब्रू शब्द का मतलब है कृपा, नए अनुग्रह की ओर इशारा करते हुए (इब्रानियों Bp पर मेरी टिप्पणी देखें अनुग्रह की समय)। स्वर्गदूत जिब्राईल ने न केवल पुत्र का नाम दिया, लेकिन यूहन्ना के चरित्र

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 6

के छह पहलुओं का भी विस्तृत विवरण किया :

1. वह आपके लिए आनंद और प्रसन्नता होगा, और उसके जन्म के कारण बहुत से लोग प्रसन्न होंगे (लूका १:१४)। लूका अक्सर शब्द आनंद का उपयोग करता है और इसे मोक्ष के लिए जोड़ता है। लूका १५ में, उन्होंने शब्दों को खुशी और तीन बार आनन्दित किया जैसे कुछ खो गया था और कुछ पाया गया हो, मोक्ष की एक तस्वीर
मिलती है। इस प्रकार, योहनन की सेवा उन इस्राएली लोगों को खुशी लाएगी जो
अपने पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप के संदेश में विश्वास रखते थेl
2. वह एदोनाय की दृष्टि में महान होगा। भावना की अभिव्यक्ति, लूका की दृष्टि में विशिष्ट है। यद्यपि यह लूका और प्रेरितों में पच्चीस बार प्रकट होता है, लेकिन यूहन्ना २०:३० एकमात्र अन्य समय में है जिसे इसका इस्तेमाल सुसमाचार में किया गया है।
3. वह जन्म से नाज़ीर होगा (गिनती ६: १-२१), और कभी भी दाखमधु या अन्य किण्वित पेय नहीं लेगा ताकि वह शायद अपने संदेश की तात्कालिकता दिखा सके। आम तौर पर एक व्यक्ति खुद के लिए इसे चुनता है, लेकिन, तनख़ में, परमेश्वर ने जन्म से नाज़ीर के रूप में अलग होने के लिए दो पुरुषों को चुना : शमूएल और शिमशोन। शमूएल वफादार था लेकिन शिमशोन वफादार नहीं था। बाद में, योहनन ने स्वैच्छिक रूप से नाज़ीर की शपथ ली और कुछ भी किण्वित पीने से मना कर दिया, क्योंकि नाज़ीर लोगों को अंगूर के साथ कुछ भी करने से मना था। एक और तरीका जिस पर उन्होंने अपने संदेश की तात्कालिकता पर बल दिया था, कि एलीयाह भविष्यद्वक्ता की तरह कार्य करें और खाएं (२ राजा १:८; मत्ती १: ८)।
4. वह पैदा होने से पहले ही पवित्र आत्मा से भरा होगा (लूका १:१५)। जब मरियम यूहन्ना के जन्म से पहले इलीशिबा से मिलने गई तो इलीशिबा गर्भ में बच्चा
कूदा था। रूच हाकोदास की सेवा लूका के लिए महत्वपूर्ण थी, और वह अक्सर अपने सशक्तिकरण और सेवा को सक्षम रखकर बड़ी गहराई में चला जाता था। जकर्याह और इलीशिबा दोनों पवित्र आत्मा से भरे हुए थे (लूका १:४१ और ६७)। कभी-कभी लोग पवित्र आत्मा से भरने के या बपतिस्मा के बीच रूच हाकोदास के साथ, आत्मा द्वारा भरे जाने के विरोध में या आत्मा में एक बड़ा सौदा करते हैं (लूका ३:१६ बी)l वे कह सकते हैं, “ठीक है, आप आत्मा से भरे जा सकते हैं, लेकिन क्या आप आत्मा से भरे हुए हैं।” हालांकि, उन भेदों को मूल भाषा में नहीं देखा जाता
है। वाक्यांश, एक न्यूमेटी में एक अर्थपूर्ण रेंज है जिसका अनुवाद रूच हाकोदास द्वारा या साथ में किया जा सकता है। इसलिए, नए वाचा के विश्वासियों ने रूपांतरण के समय अपने जीवन में केवल एक बार पवित्र आत्मा में / उसके साथ बपतिस्मा लिया है (देखें Bw – विश्वास के क्षण में परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है)।
5. वह इस्राएल के बहुत से लोगों को उनके परमेश्वर यहोवा के पास वापस लाएगा (लूका १:१६)। उसका विशेष कार्य इस्राएल के लोगों को मसीहा के लिए तैयार करना था और उनमें से कई योहनन की सेवा (मत्ती ३:५-६; मरकुस १:४-५) के माध्यम से

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 7

परमेश्वर के पास वापस आ गए।
6. वह एदोनाय के आगे (यशायाह ४०: ३-५), एलिय्याह की आत्मा और शक्ति में आगे चलेगा। वह एलिय्याह नहीं है, लेकिन एलिय्याह की आत्मा और शक्ति में सेवा करेगा। जाहिर है जकर्याह ने समझा कि स्वर्गदूत जिब्राईल उसके भविष्य के
बेटे को मलाकी ३:१ के दूत के साथ पहचान करा रहा था, प्रशंसा के अपने गीत में उसने ध्यान दिया कि यूहन्ना परमेश्वर के आगे रास्ता तैयार करने के लिए आगे बढ़ेगा (लूका १:७६ और ३:४-६)। वह पितरों का मन बाल-बच्चों की ओर फेर देगा; और आज्ञा न माननेवालों को धर्मियों की समझ पर लाए; और प्रभु के लिये एक योग्य प्रजा तैयार करे (लूका १:१७)l योहनन एलिय्याह नहीं था, लेकिन उसने रास्ता
तैयार करने के लिए एक ही शक्ति और अधिकार के साथ काम किया। यीशु ने पुष्टि की
कि यूहन्ना मलाकी ३:१ की पूर्ति मत्ती ११:१० में है, और कहा कि यूहन्ना मलाकी
४: ४-५ को पूरा करेगा, अगर इस्राएल राष्ट्र ने उसका संदेश स्वीकार कर लिया
होता (मत्ती ११:१४)।

जकर्याह ने स्वर्गदूत से पूछा, “मैं इस बारे में कैसे यकीन कर सकता हूं?” इस सवाल को संदेह के घेरे लिया गया था। इस आश्चर्यजनक संदेश से सामना करने के लिये, जकर्याह ने अब्राहम की तरह एक संकेत के अनुरोध के साथ जवाब दिया (उत्पत्ति १५:८)। वह संदेश पर विश्वास नहीं कर सका, और कहा : मैं बूढ़ा आदमी हूं और मेरी पत्नी बूढी है (लूका १:१८)। कभी-कभी आपको कुछ पूछने से पहले सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि आप इसे प्राप्त कर सकते हैं। इस मामले में पाप को वह अपना संकेत मिला और अपने अविश्वास के कारण वह गूंगा और बहरा हो गया था (लूका १:२२)।

स्वर्गदूत ने उससे कहा, “मैं जिब्राईल हूं,” जिसने मसीह के आने का भविष्यवाणी की (दानिय्येल ९:२५)। “मैं परमेश्वर के सामने खड़ा रहता हूँ; और मैं तुझ से बातें करने और तुझे यह सुसमाचार सुनाने को भेजा गया हूँ” (लूका १:१९)l यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि यहां मुस्लिम सिखाते हैं कि बाइबल अपने आप में खुद ही विरोधाभास करती है। वे मत्ती १:१८ के बारे में बोलते हैं जहां यह कहता है: मरियम पवित्र आत्मा के माध्यम से बच्चे के साथ पायी गयी थी, लेकिन यहां वे कहते हैं कि जिब्राईल ने उन्हें गर्भवती किया। जो स्पष्ट रूप से झूठ है। लेकिन परमेश्वर की चीजें आध्यात्मिक रूप से समझी जाती हैं। यह सिर्फ यह दिखाता है कि मुसलमान वास्तव में आध्यात्मिक अंधेरे में कितने दूर हैं। बाद में स्वर्गदूत जिब्राईल मरियम को बताएगा, “रूच हाकोदश तुम्हारे ऊपर आएगा, और हा’एलयोन की शक्ति तुम्हारे ऊपर साया करेगी। इसलिए, आपके द्वारा पैदा हुए पवित्र बच्चे को परमेश्वर का पुत्र कहा जाएगा “(लूका १:३५ सीजेबी)।

विश्वास की कमी के परिणामस्वरूप, स्वर्गदूत जिब्राईल ने उसे बताया, “और अब आप चुप रहेंगे और ख़ुशी के दिन तक बात करने में सक्षम नहीं होंगे, क्योंकि तुमने मेरे वचनों पर विश्वास नहीं किया, जो उसके नियत समय पर सच होगा “(लूका १:२०)। जिब्राईल के संदेश की पूर्ति तक जकर्याह की बोलने में असमर्थता थी, जो कुछ हद तक,

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 8

उसके अविश्वास की सजा थी। लेकिन यह एक संकेत भी था (यहेजकेल ३:२६ और २४:२७)। तनख़ में एक संकेत प्रायः एक पुष्टिकरण, देखने योग्य घटना से जुड़ा हुआ था जो भविष्यवाणी के शब्दों के साथ था। बाद में, अगले नौ महीनों के लिए जकर्याह के बोलने के प्रयासों से जिब्राईल के संदेश की विश्वसनीयता साबित होगी।

तब दृश्य मंदिर की अदालतों में बाहर इंतज़ार कर रही विशाल भीड़ की तरफ़ स्थानांतरित हो गया। जकर्याह और दूत के बीच बातचीत ने उसे सामान्य समय से पवित्र स्थान से बाहर आने से देरी कर दी थी। इसी दौरान, लोग जकर्याह की प्रतीक्षा कर रहे थे और सोच रहे थे कि वह मंदिर में इतने लंबे समय तक क्यों रुके रहे (लूका १:२१)। लोगों की प्रार्थनाओं की पेशकश किया जा रहा था, और उनकी चिंता उनके ध्यान को पवित्र स्थान की ओर लगाए हुए थी। आखिरकार जकर्याह खड़ा हुआ और बाहर निकला और भारी कदमों से उस पोर्च से जो पुजारी की अदालत तक पहुँचता था, पहुंचा (Mw – द्वितीय मंदिर का चित्र) देखें), पुजारी बेनेडिक्शन का नेतृत्व करने का इंतजार क्र रहे थे जो दैनिक होमबलि से पहले होता था (निर्गमन Fe – द बर्न ऑफरिंग पर मेरी टिप्पणी देखें) और प्रशंसा के भजनों का जाप, संगीत की खुशी के साथ, पेय की पेशकश की गई थी।

हालांकि, जकर्याह का संकेत भी इस्राइल राष्ट्र के लिए एक संकेत था। बलिदान के टुकड़े को कांस्य वेदी पर उचित क्रम में पहले से ही व्यवस्थित किया गया था, पुजारी बरामदे की सीढ़ियों पर खड़े थे, और वृद्ध पुजारी ने देश का ध्यान रखा क्योंकि वह पवित्र स्थान से बाहर आया था। रब्बी सिखाते हैं कि पवित्र स्थान से बाहर आने वाले पुजारी से लोगों को आशीर्वाद देने की उम्मीद थी (गिनती ६:२४-२६)। लेकिन जब वह बाहर आया, तो वह उनसे बात नहीं कर सका। लोगों को एहसास हुआ, हालांकि, उसने मंदिर में एक दर्शन देखा था, क्योंकि उसने उन पर संकेत बनाए रखा लेकिन बोलने में असमर्थ था (लूका १:२२)।

जकर्याह कोई “विद्वान” पुजारी नहीं था, न ही उसे रब्बियों ने एक नमूने के तौर पर पुजारी कहा था। उन्होंने उसे एक बेवकूफ पुजारी के रूप में वर्णित किया होगा। जब पुजारी शब्द के साथ बेवकूफ शब्द का उल्लेख किया जाता है, तो आमतौर पर महायाजक की तुलना एक आम पुजारी से होती है। हालांकि, यह शब्द निर्विवाद रूप से किसी ऐसे व्यक्ति को भी दर्शाता है जो अश्लील, अज्ञानी और अशिक्षित है।

जब सेवा का समय पूरा हो गया, तो वह यहूदा के पहाड़ी देश में घर लौट आया। लेकिन एदोनाय ने उस वचन को पूरा किया था जिसे उसने अपने स्वर्गदूत के द्वारा कहा था। इसके बाद उनकी पत्नी इलीशिबा गर्भवती हो गई, और गर्भावस्था के आखिरी पांच महीनों के लिए, वह पूरी तरह से अलग हो गई (लूका १:२३-२४)। इस गोपनीयता ने सुनिश्चित किया कि उसकी गर्भावस्था का भेद पहली बार मरियम पर पांच महीने बाद में खोला जाएगा (ल्यूक १:२६, ३६ और ५६)। नतीजतन, दिव्य समय सारिणी के अनुसार काम हो रहा था। इलीशिबा ने अपनी गर्भावस्था को परमेश्वर के एक दयालु कार्य के रूप में व्याख्या

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 9

की। एदोनाय ने मेरे लिए यह किया है, उसने कहा: इन दिनों उन्होंने अपना पक्ष दिखाया है और लोगों के बीच मेरे अपमान को दूर कर दिया है (लूका १:२५)। यहां उपयोग किया जाने वाला सही काल निरंतर परिणामों के साथ एक पूर्ण कार्रवाई को अंकित करता है। इलीशिबा ने शास्त्रों की एक और औरत राहेल के शब्दों का प्रयोग किया, एक और औरत जिसके बांझपन को भी हां-शेम की प्रत्यक्ष भागीदारी द्वारा समाप्त किया गया था (उत्पत्ति ३०: २२-२३)। और राहेल की तरह, इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता कि इलीशिबा बहुत खुश थी कि उसके और उसके पति की प्रार्थनाओं का उत्तर दिया गया था। कई सालों बाद अंततः उनके पास एक बच्चा था।

हम में से कई लोगों के लिए, एदोनाय पर भरोसा तब तक ठीक है जब तक हमारा विश्वास ऐसा कुछ न हो कि आप वास्तव में विश्वास कर सकते हैं। यह मजाकिया है कि कभी-कभी हम खुद को जीवन में सामान्य चीजों को संभालने के लिए संतुष्टी करते हैं जैसे हमें नौकरी के लिए साक्षात्कार पर अच्छा प्रदर्शन करने या परीक्षण पर अच्छी तरह से अंक प्राप्त करने करने का मौका दिया जाना। परंतु, जब यह वास्तव में कठिन चीजों के लिए आता है, चीजें जो वास्तव में असंभव प्रतीत होती हैं, कई बार हमारा विश्वास कम हो जाता है और हम अक्सर परमेश्वर को अपनी समस्या देने के बजाय, स्वयं के साधनों पर भरोसा करने के लिए प्रेरित होते हैं (सारा की तरह यह सुझाव देते हुए कि अब्राहम के पास हाजिरा के साथ एक बच्चा है)। असंभव के लिए परमेश्वर पर इंतजार करने के लिए सामग्री होने के नाते ऐसा कुछ है जो अधिकांश विश्वासियों को यह समय कठिन लगता है। हमारे सभी के साथ यह स्थिति हो सकती हैl

हम ईश्वर को असंभव चीजें देने के लिए इतने अनिच्छुक क्यों हैं और फिर वापस बैठकर उत्तर देने का इंतजार कर रहे होते हैं? हम जानते हैं कि हा’इल्योन ने अतीत में असंभव किया है। उसने कुछ भी नहीं से कुछ बनाया (उत्पत्ति १:१)। आप कितना असंभव पा सकते हैं? लाल सागर के पानी को विभाजित करने और रेगिस्तान में अपने बच्चों को मन्ना और बटेर भेजने जैसी सरल चीजें भी पवित्र पलक के बल्ले के रूप में इतनी ज्यादा हासिल की गईं। फिर भी, जब हमारे असंभव की बात आती है, तो चीजें जो हमें इतनी परेशान करती हैं कि हम समाधान के लिए कुल नुकसान उठाते हैं, हम अक्सर खुद को सोचते हैं कि बौद्धिक रूप से हम जानते हैं कि यहोवा इसे कर सकता है, लेकिन ऐसा लगता है कि वह ऐसा करेगा। तो हम अकेले लड़ते हैं, भरोसा करते हैं कि किसी भी तरह किस्मत या पकड़ा काम पूरा हो जाएगा।

शायद यह इसलिए है क्योंकि हम महसूस कर सकते हैं कि हम कड़ी मेहनत से परमेश्वर को परेशान नहीं करना चाहते हैं। शायद ऐसा इसलिए है क्योंकि हम वास्तव में “बड़ी चीज़ों” के लिए मूर्खतापूर्ण महसूस करते हैं। इसकी अधिक संभावना है, हालांकि, ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास चीजों के होने का एक कार्यक्रम है और कठिन चीजें, असंभव चीजें, जल्दी से बाहर निकलने की आवश्यकता है ताकि हम अपने जीवन में आगे बढ़ सकें। हम जानते हैं कि एदोनाय के पास जीवन की हर समस्या का समाधान है। समस्या यह है कि हम अक्सर उसके समय के साथ अपने कार्यक्रमों से मेल खाने के लिए अपने आप को

Ak – यूहन्ना बप्तिस्मादाता के जन्म के बारे में भविष्यवाणी
लूका १: ५-२५ | 10

असन्तुष्ट पाते हैं। यह उस आदमी की तरह है जो चट्टान से गिर गया, लेकिन नीचे एक पेड़ की एक डाली पकड़ने में कामयाब रहा। वह ऊपर की तरफ देखता है और चिल्लाता है : “क्या कोई वहां है?” फिर वह एक आवाज सुनता है।

“मैं यहाँ हूँ। मैं परमेश्वर हूँ। क्या आप मुझ पर विश्वास करते हैं?”

हाँ, परमेश्वर, मुझे विश्वास है। मैं वास्तव में विश्वास करता हूं, “आदमी ईमानदारी से कहता है।

“लेकिन मैं अधिक समय तक लटका नहीं रह सकता।”

“यह ठीक है,” परमेश्वर का उत्तर आया। “अगर आपको सच में विश्वास है तो आप को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं आपको बचा लूंगा। बस शाखा को छोड़ दो।”

एक पल के लिए एक विराम था, और फिर उसने कहा, “क्या कोई और वहाँ है?” (अनुकूलित – बिट्स और टुकड़े, २४ जून, १ ९९ ३, पृष्ठ ३.)

जकर्याह ने कठोर तरीके से पता चला कि हा’शेम प्रार्थना का जवाब देता है जब तक कि हम कठिन चीज़ें, असंभव चीजें, पूरी तरह से उसके ऊपर छोड़ने के इच्छुक न हों। जकर्याह और उनकी पत्नी इलीशिबा ने एक बच्चे के लिए लंबे समय तक प्रार्थना की थी और अब वे बुजुर्ग थे और उसका गर्भ बंद हो गया था। फिर भी, वह एक बच्चे को जन्म देती है क्योंकि ईश्वर की इच्छा असंभव को सम्भव करने की इच्छा है अगर हम केवल पहले स्थान पर असंभव हो जाएं। यहोवा हमारे जीवन में भी पहुंचने और असंभव को सम्भव करने के लिए तैयार और सक्षम है। ऐसा करने से कहना आसान है, लेकिन हमें विश्वास करना होगा कि परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देने के लिए तैयार हैं, और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें अपनी प्रार्थनाओं के फल देखने के लिए इंतजार करने के लिए तैयार रहना चाहिए। जब असंभव का सामना करना पड़ता है तो अक्सर अपने आप में भरोसा करने की अनिच्छा को छोड़ना और एदोनाय को वह जगह देना चाहिए जो उन्हें चमत्कारों के काम करने की ज़रूरत है जो वह हमारे जीवन में करने के लिए तैयार हैं।